

का एक भेद, विप्रलब्ध, जिसमें नायक नायिका का मिलन होकर वियोग हो जाता है।

विप्रलम्भ पुं. (तत्.) 1. वचन 2. छल 3. धोखा। विशेषतः झूठ बोलकर या प्रतिज्ञा भंग करके किया जाने वाला धोखा, प्रेमी-प्रेमिका का वियोग, विरह, विछोह।

विप्रलम्भ शृंगार पुं. (तत्.) काव्य. शृंगार रस का एक भेद जो संयोग से भिन्न है, नायक-नायिका की वियोग अवस्था के होने वाला प्रेम, शृंगार।

विप्रलब्ध वि. (तत्.) 1. जो छला गया हो 2. जिसे धोखा दिया गया हो 3. वंचित, निराश किया हुआ, आघात किया हुआ।

विप्रलब्धा स्त्री. (तत्.) 1. नायिका जो अपने प्रेमी को निश्चित स्थान पर न पाकर निराश हो जाती है 2. जो छली गई हो, वंचिता नारी जैसे- राधा का विप्रलब्धा नायिका के रूप में चित्रण किया गया है।

विप्रलाप पुं. (तत्.) व्यर्थ प्रलाप, बकबक, बकवास करना।

विप्रस्व पुं. (तत्.) ब्राह्मण की संपत्ति।

विप्लव पुं. (तत्.) उपद्रव, अशांति, विद्रोह, बलवा, उथल-पुथल, हलचल, आफत, विपत्ति वाली नदी आदि की बाढ़।

विप्लवी पुं. (तत्.) विप्लव या विद्रोह करने वाले, बलवा करने वाले क्रांति करने वाले क्रांतिकारी।

विप्लाव पुं. (तत्.) (नदी आदि की) बाढ़।

विप्लावक वि. (तत्.) दे. विप्लवी।

विप्सा स्त्री. (तत्.) दे. वीप्सा।

विफल वि. (तत्.) 1. बिना फल का 2. (वृक्ष) जिसमें फल न लगे हुए हो या न लगते हों 2. व्यर्थ, निरर्थक 4. जिसका उद्देश्य पूर्ण न हुआ हो, असफल 5. (परीक्षा) अनुत्तीर्ण।

विबुकेन्द्र/विबुधेरा पुं. (तत्.) देवराज इंद्र।

विबुध पुं. (तत्.) 1. विद्वान 2. बुद्धिमान 3. देवता 4. चंद्रमा।

विबुध प्रिया स्त्री. (तत्.) देवांगना, देवी काव्य. एक समवर्णिक छंद जिसके प्रत्येक चरण में रगण, सगण, 2 जगण, भगण और रगण (र, स, ज, ज, भ, र) के योग से 18 वर्ण होते हैं तथा 8 और 10 पर यति होती है।

विबुधविलासिनी स्त्री. (तत्.) अप्सरा।

विबुधवेलि स्त्री. (तत्.) कल्पलता।

विबुधाचार्य पुं. (तत्.) देवताओं का गुरु बृहस्पति।

विबुधावास पुं. (तत्.) 1. देव मंदिर 2. स्वर्ग।

विबोध वि. (तत्.) जिसे ज्ञान न हो, अबोध पुं. जागरण, जगना 2. सम्यक ज्ञान 3. निद्रा के बाद जागना (होश में आना) काव्य. एक संचारी भाव जिसके विभाव हैं- जँभाई लेना, आँखे मलना आदि।

विबोधक वि. (तत्.) 1. जागरुक करने वाला 2. सावधान करने वाला।

विबोधन पुं. (तत्.) 1. जागरण, जागना 2. प्रबोधन, जगाना 3. ज्ञान करना, समझाना 4. धैर्य बँधाना।

विबोधित वि. (तत्.) 1. जगाया हुआ 2. समझाया हुआ।

विभंग पुं. (तत्.) 1. खंडित होना 2. टूटना 3. आघात आदि से शरीर की कोई हड्डी टूटना 3. सिकुड़ना, झुरी।

विभंगि स्त्री. (तत्.) 1. अनुकृति, नकल 2. भंगिमा, भंगी।

विभंगी वि. (तत्.) 1. कंपनशील 2. झुरियों वाला।

विभंजन वि./पुं. (तत्.) 1. विनाश करने वाला, विनाशक 2. ध्वंस करने वाला, विध्वंसक।

विभांडक पुं. (तत्.) एक मुनि जो ऋष्य शृंग के पिता थे।

विभांति पुं. (तत्.) 1. विविध प्रकार का 2. अनेक, प्रकार 3. तरह, तरह का।

विभव पुं. (तत्.) 1. धन-दौलत, संपत्ति 2. ऐश्वर्य 3. महिमा, बड़प्पन 4. बल, शक्ति, पराक्रम उदा- 'पाके ऐसा विभव वसुधा में न खोया किसी ने'- प्रिय प्रवास 5/80, हरिऔध 5. साठ संवत्सरों में 36वाँ संवत्सर भौ. किसी बल-क्षेत्र में किसी